आंशिक संशोधन

QUESTION PAPER BLUE PRINT

Subject - English literature **Class - XII** **Total Marks -80**

Sr.	(Objectives /Units)	knowledge				understanding				Application				Skill				Total
		अति लघु VSA	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं LAT	अति लघु VSA	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं LAT	अति लघु VSA	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं LAT	अति लघु VSA	लघु. SA1	लघु. SA2	निबं LAT	
1.	Reading Unseen Passage					2(2)	6(3)											8(5)
2.	Unseen poem					3(3)	4(2)											7(5)
3.	Writing- Essay																8(1)	8(1)
4.	Speech/Report												7(1)					7(1)
5.	Grammar - Editing & Error correction					5(5)												5(5)
6.	Narration						5(5)											5(5)
7.	Literary Terms			6(1)														6(1)
8.	Text (Detail Study)								12(1)									12(1)
9.	Text (Detail Study)							12(1)										12(1)
10.	Fiction											4(1)						4(1)
11	Fiction												6(1)					6(1)
	योग			6(1)		10(10)	15(10)	12(1)	12(1)			4(1)	13(2)				8(1)	80(27)
	कुल योग	6(1)				49(22)				17(3)				8(1)				80(27)

Note :- (i) Marks are indicated outside the brackets and Number of Questions is indicated inside the brackets.
(ii) Questions having Internal choice : 11,12,23,24,25,26

Signature

प्रश्न –पत्र का प्रारूप

कक्षा – xii विषय– समाज शास्त्र अवधि– 3:15 घंटे पूर्णांक – 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	24	30
2.	अवबोध / अर्थग्रहण	33	40
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	17	20
4.	कौशल / मौलिकता	06	10
	योग	80	100

2. प्रश्नों के प्रकार एवं अंकभार –

क्र.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत	सम्भावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पात्मक					
2.	अतिलघूत्तरात्मक	10	01	10	12.5	20 मिनट
3.	लघूत्तरात्मक ।	05	02	10	12.5	20 मिनट
4.	लघूत्तरात्मक ।।	10	03	30	37.5	50 मिनट
5.	निबंधात्मक	05	06	30	37.5	80 मिनट
	योग	30		80	100	170 मिनट

पुनरावलोकन 10 मिनट

3. विषय वस्तु का अंकभार – प्रश्न पत्र का पढ़ना 15 मिनट

क्र.सं.	ईकाइ	अंकभार	प्रतिशत
1.	भारतीय समाज	08	10
2.	जनसांख्यिकीय संरचना	08	10
3.	सामाजिक असमानता	08	10
4.	भारत में संरचनात्मक परिवर्तन	08	10
5.	सास्कृतिक परिवर्तन	08	10
6.	ग्रामीण समाज में परिवर्तन	08	10
7.	नगरीय समाज में परिवर्तन	08	10
8.	महिला एवं बालश्रम	08	10
9.	जनसंपर्क संचार एवं सामाजिक परिवर्तन	08	10
10.	सामाजिक आन्दोलन	08	10
योग		80	100

मॉडल प्रश्न पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट

विषयः– समाज शास्त्र कक्षा– **XII** पूर्णांक – 80

क्रं.सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान				अवबोध				ज्ञानोपयोगी/अभिव्यक्ति				कौशल/मौलिकता				योग
		अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	अति लघु	लघु.		निबं	
			SA1	SA2			SA1	SA2			SA1	SA2			SA1	SA2		
1.	भारतीय समाज						2(1)										6(1)	8(2)
2.	जनसांख्यिकीय संरचना			3(1)		2(2)		3(1)										8(4)
3.	सामाजिक असमानता			6(2)			2(1)											8(3)
4.	भारत में संरचनात्मक परिवर्तन						2(1)						6(1)					8(2)
5.	सांस्कृतिक परिवर्तन	1(1)				1(1)			6(1)									8(3)
6.	ग्रामीण समाज में परिवर्तन	1(1)		3(1)						1(1)		3(1)						8(4)
7.	नगरीय समाज में परिवर्तन								6(1)		2(1)							8(2)
8.	महिला एवं बालश्रम			3(1)						2(2)		3(1)						8(4)
9.	जनसंचार एवं सामाजिक परिवर्तन						2(1)		6(1)									8(2)
10.	सामाजिक आन्दोलन	1(1)		6(2)		1(1)												8(4)
		3(3)		21(7)		4(4)	8(4)	3(1)	18(3)	3(3)	2(1)	6(2)	6(1)				6(1)	–
		24(10)				33(12)				17(7)				6(1)				80(30)

विकल्पों की योजना :– आन्तरिक विकल्प प्रश्न

नोट :– कोष्ठक में बाहर की संख्या अंको की तथा भीतर प्रश्नों की द्योतक है।

नमूना प्रश्न पत्र

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2018

SENIOR SECONDARY MODEL PAPER, 2018

समाज शास्त्र (SOCIOLOGY)

समय : 3:15 घण्टे पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :–

GENERAL INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEES

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।

Candidate must write first his/ her Roll on the question paper compulsory.

2.सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

All the questions are compulsory.

3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

Write the answer to each question in the given answer book only.

4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

For question having more than one part, the answers to those parts are to be written together in continuity.

5. प्रश्न पत्र के हिन्दी व अंग्रेजी रूपान्तर में किसी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही मानें।

If there is any error/difference/contradiction in Hindi & English versions of the question paper, the question of Hindi versions should be treated valid.

खण्ड	प्रश्न संख्या	अंक प्रति प्रश्न	उत्तर की शब्द सीमा
अ	1–10	1	10 शब्द
ब	11–15	2	30 शब्द
स	16–25	3	45 शब्द
द	26–30	6	200 शब्द

Section	Que. no.	Marks per Que.	Word Limit of ans.
A	1–10	1	10 Word
B	11–15	2	30 Word
C	16–25	3	45 Word
D	26–30	6	200 Word

7. प्रश्न संख्या 26 से 30 में आतंरिक विकल्प है।

Question no. 26 to 30 have internal choice.

खण्ड (अ)

Section- A

1. जन घनत्व क्या है ?

What is Population Density ? 1

2. संयुक्त परिवार से क्या आशय है ?

What is meant by Joint Family ? 1

3. पश्चिमीकरण का प्रभाव जीवन के किन क्षेत्रों पर पडा है ?

Which fields of life have been influenced by Westernization ? 1

4. धर्म निरपेक्षीकरण को स्पष्ट कीजिए।

Clarify Secularization. 1

5. कौन से दबाव समूह अपनी मांगों को पूर्ण करने में सफल होते हैं ?

Which pressure groups are successful in fulfilling their demands ? 1

6. पंचायती राज के स्तर क्या हैं।

What are the stages of Panchayati Raj ? 1

7. विशेष विवाह अधिनियम कब पारित हुआ ?

When was "Special Marrige ACT" introduced ? 1

8. कारखाना ACT 1922 क्या है ?

What is Factory Act 1922 ? 1

9. सामाजिक आन्दोलन क्या है ?

What is social Movement ? 1

10 राजस्थान में बिजौलिया किसान आन्दोलन का प्रमुख नेता कौन था।

Who was the main leader of Bijoliya peasent movement in Rajasthan ? 1

खण्ड –ब

SECTION -B

11. घुरिये के अनुसार जाति की दो विशेषतायें बताइये।

Point out two characteristics of caste according to ghurye. 2

12. सामाजिक असमानता से आप क्या समझते हैं ?

What do you understand by social inequality ? 2

13. नगरीकरण की दो विशेषताऐं लिखिए।

Write two characteristics of unbanization? 2

14. ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में आव्रजन के कारण समझाइये।

Expalin the causes of migration from rural to urban areas. 2

15. जनसंचार से आप क्या समझते हैं ?

What do you understand by Mass Communication ? 2

खण्ड – स

SECTION -C

16. जन्मदर, मृत्यु दर व साक्षरता दर कैसे ज्ञात करेंगें। समझाइये।

How will you find out birth rate, death rate and literacy ? Explain. 3

17. भारत में गांव तथा नगरीय समाज की संरचना के संदर्भ में कोई तीन विभिन्नतायें बताइये।

Mention any three differences between rural and urban social structure of Indian Society. 3

18. पिछडे वर्ग का निर्धारण जन्म या जाति के आधार पर न होकर अन्य कारणों से होता है। स्पष्ट करें।

Backward caste is determined not on the basis of birth or caste but on other basis. Clarify. 3

19. निःशक्तजनों को संविधान प्रदत्त सुविधाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिये।

Write a short note on constitutionally ascribed facilities to disables. 3

20. राजनीतिक दलों की विशेषतायें समझाइये।

Explain the to characteristics of political parties. 3

21. दबाव समूह सरकार को कैस प्रभावित करते हैं ? बताइये।

How do pressure groups influence Government ? Explain. 3

22. वालश्रम के दुष्प्रभावों के बारे में लिखिये।

Write the ill- effects of child labour. 3

23. राजस्थान में महिलाओं की स्थिति में सुधार हेतु किये गये प्रयासों का उल्लेख कीजिये।

Mention the efforts made to improve the condition of women in Rajasthan. 3

24. राजस्थान के पर्यावरण आन्दोलन के बारे में लिखिये।

Mention the environmental movement of Rajasthan. 3

25. आर्य समाज आंदोलन की प्रमुख विशेषतायें बताइये।

Mention main characteristics of Arya Smaj movement. 3

खण्ड– द

SECTION -D

26. ''विभिन्नता में एकता ही भारतीय समाज का सार है'' स्पष्ट कीजिये।

Unity in Diversity is the essence of Indian Society " Clarify

अथवा

भारतीय समाज के सांस्कृतिक पहलू की व्याख्या कीजिये।

Explain the cultural aspect if Indian Society. 6

27. भारत में औद्योगीकरण पर निबन्ध लिखिये।

Write an essay on Industrialization in India.

अथवा

परम्परा एवं आधुनिकता के मध्य क्या संबंध है ?

What is the relation between Tradition And Modernity 6

28. उत्तर आधुनिकीकरण पर संक्षिप्त निबंध लिखिये।

Write a short note on Post Modernity अथवा

संस्कृतिकरण की अवधारणा का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

Critically analyse the concept of Sanskritization. 6

29. भारतीय नगरीय समाज में परिवर्तन के विभिन्न पक्षों की व्याख्या कीजिये।
Explain various aspects of change in urban society in India

अथवा

नगर नियोजन से आप क्या समझते हैं ? समझाइये।

What do you understand by Town Planning.? Explain 6

30. सामाजिक परिवर्तन में जनसंचार की भूमिका समझाइये।

Explain the role of Mass Communication in Social change.

अथवा

30. जनसंचार की संरचना को स्पष्ट कीजिये।

Explain the stucture of Mass Communication 6

उत्तर तालिका – समाज –शास्त्र

1	प्रति वर्ग किलोमीटर में रहने वाली जनसंख्या जनसंख्या घनत्व कहलाती है।		1	P-21
2	ऐसे परिवार के मुखिया का नियंत्रण तीन चार पीढ़ी के सदस्य साथ रहते हैं, भोजन, पूजा सम्पति सामूहिक होती है।		1	P-26
3	सांस्कृतिक क्षेत्र, राजनीति क्षेत्र, धानिकेक्षेत्र इत्यादि (कोई एक)		1	P-64
4	धर्म निरपेक्षता का अर्थ/परिभाषा		1	P-66
5	शक्तिशाली		1	P-84
6	तीन स्तरों के नाम 1. ग्रांम पचांयत 2. पंचायत समिति 3. जिला परिषद		1	P-72
7	वर्ष 1954		1	P-106
8	15 वर्ष के कम आयु के व्यक्तियों को बच्चा माना गया है जिनके काम करने की अवधि 06 घंटे नियत की गयी।		1	P-117
9	जब कई लोग इच्छित परिवर्तन हेतु सामूहिक प्रयास करते हैं उसे सामाजिक आंदोलन कहते है।		1	P-123
10	विजय सिंह पथिक		1	P-124
11	छः विशेषताओं में से कोई दो को देखें		2	P-4
12	सामाजिक असमानता का अर्थ		2	P-33
13	श्रम विभाजन, श्रम विशिष्टकरण, भाग दौड भरा जीवन भय, असुरक्षा, पहचान का संकट, (कोई 2)		2	P-56
14	ग्राम से शहरी क्षेत्र में आव्रजन के कारण		2	P-96
15	जनसंचार का अर्थ		2	P-121
16	जन्म दर, मृत्यु दर व साक्षरता दर ज्ञात करने का सूत्र		3	P-21
17	परिवार, नातेदारी व विवाह के संदर्भ में		3	P-26
18	अन्य पिछडा वर्ग के निर्धारण का आधार सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक		3	P-38–39
19	विशेष योग्यजन हेतु संवैधानिक प्रावधान (कोई 6 प्रावधान)		3	P-46, 47, 48
20	राजनैतिक दल की विशेषता (कोई 6 विशेषता)		3	P-80
21	दबाव समूह का सरकारी निर्णयों/सरकार पर प्रभाव		3	P-85
22	बालश्रम के दुष्प्रभाव–स्वास्थ्य, शिक्षा, गरीबी, अपराध आदि (कोई 03 बिन्दु)	1+1+1	3	P-116
23	राजस्थान में महिलाओं की स्थिति में सुधार हेतु प्रयासों का संक्षिप्त में देखे		3	P-109
24	खेजडली आंदोलन के उल्लेख को देखें		3	P-127,128
25	आर्य समाज आंदोलन की विशेषताओं को देखें		3	P-129
26	विभिन्नता में एकता धार्मिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक, राजनैतिक विभिन्नता में एकता अथवा भारतीय समाज के सांस्कृतिक पहलू– धर्म, विवाह, नातेदारी, परम्परा, कर्म पुर्नजन्म, पुरूषार्थ, संस्कार आदि		6	15–17 6–11
27	औद्योगीकरण पर निबंध– स्वतंत्रता से पूर्व व पश्चात् अथवा परम्परा व आधुनिकता में संबंध		6	55–56 53–54
28	उत्तर आधुनिकीकरण की अवधारणा का विश्लेषण अथवा संस्कृतिकरण का अर्थ व आलोचनात्मक विश्लेषण		6	68–69 65–66
29	सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक संरचना में परिवर्तन अथवा नगर नियोजन अर्थ, उददेश्य व महत्व		6	88–90 97–99
30	जनसंचार का अर्थ व सामाजिक परिवर्तन में इसकी भूमिका अथवा जनसंचार का अर्थ व उसकी संरचना		6	121–123 121–123

मूक बधिर छात्रों हेतु

कक्षा–12 अनिवार्य हिन्दी

पाठ्यक्रम विभाजन

क्र.सं.	अधिगम क्षेत्र	अंक
1.	अपठित बोध	08
2.	व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना (पत्र, निबंध, परिभाषिक शब्दावली)	16
3.	पाठ्यपुस्तक सृजन (पठित गद्यांश, पद्यांश, प्रश्न)	32
4.	पाठ्यपुस्तक – पीयूष प्रवाह	12
5.	संवाद सेतु (फीचर, रिपोर्ट, आलेख)	12
	योग	80

खण्ड – 1

अपठित बोध	(16 अंक)	अंक
(क) अपठित गद्यांश	(1 अंक x4 प्रश्न)	4
(ख) अपठित पद्यांश	(1 अंक x4 प्रश्न)	4

खण्ड – 2

व्यावहारिक व्याकरण एवं रचना

(क) निबन्ध लेखन	(1 x8 अंक)	8
(ख) पत्र लेखन(विकल्प सहित)	(1 x6 अंक)	6
(ग) पारिभाषिक शब्दावली	(2 x1 अंक)	2
		16

खण्ड – 3

पाठ्यपुस्तक सृजन

(क) 1 पठित गद्यांश	(1 x4 प्रश्न)	4
(ख) 1 पठित पद्यांश	(1 x4 प्रश्न)	4
(ग) एक कवि या लेखक परिचय (विकल्प सहित	(4 x1 प्रश्न)	4
(घ) 2 निबंधात्मक प्रश्न (विकल्प सहित)	(4 x2 प्रश्न)	8
(ड़) 6 लघुत्तरात्मक प्रश्न	(2 x6 प्रश्न)	12
(3 गद्य से 3 पद्य से) विकल्प सहित		32

खण्ड – 4

पाठ्यपुस्तक – पीयूष प्रवाह (द्वितीय पुस्तक) **12 अंक**

(क) 6 लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प सहित) 6X2 12 अंक

खण्ड – 5

संवाद सेतु – **12 अंक**

(क) फीचर लेखन (3 विकल्प सहित) 4 अंक

(ख) आलेख लेखन (3 विकल्प) 4 अंक

(ग) रिपोर्ट लेखन (3 विकल्प) 4 अंक

अनुक्रमाणिका

1. पाठ्यपुस्तक सृजन के प्रश्नोत्तर
2. पाठ्यपुस्तक पीयूष प्रवाह के प्रश्नोत्तर
3. पठित पद्यांश
4. पठित गद्यांश
5. अपठित पद्यांश
6. अपठित गद्यांश
7. निबंध, पत्र लेखन, संवाद सेतु
8. कवि/लेखक परिचय
9. पारिभाषिक शब्दावली

मॉडल प्रश्न – पत्र

कक्षा – 12

अनिवार्य हिन्दी

समय 4.15 घण्टे पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश

खण्ड :– 1

1. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिएः–
(उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द) 4 अंक

मेरी–भूमि तो है पुण्यभूमि वह भारती,
सौ नक्षत्र–लोक करें आके आप आरती।
नित्य नये अंकुर असंख्य वहाँ फूटते,
फूल झड़ते हैं, फल पकते हैं, टूटते।
सुरसरिता ने वहीं पाई हैं सहेलियाँ,
लाखों अठखेलियाँ, करोड़ों रंगरेलियाँ।
नन्दन विलासी सुरवृन्द, बहु वेशों में,
करते विहार हैं हिमाचल प्रदेशों में।
सुलभ यहाँ जो स्वाद, उसका महत्त्व क्या ?
दुःख जो न हो तो फिर सुख में है सत्त्व कया ?
दुर्लभ जो होता हे, उसी को हम लेते हैं,
जो भी मूल्य देना पड़ता है, वही देते हैं।
हम परिवर्तनमान, नित्य नये हैं तभी,
ऊब ही उठेंगे कभी एक स्थिति में सभी।
रहता प्रपूर्ण है हमारा रंगमंच भी,
रूकता नहीं है लोक नाट्य कभी रंच भी।

1. हिमाचल प्रदेश की क्या विशेषता बताई गयी है?
2. कवि ने पुण्य भूमि किस कहा है ?
3. पृथ्वीवासियों को 'नित्य नये' क्यों कहा गया है ?
4. 'दुःख' शब्द का विलोम बताइये।

2. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यान से पढकर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(उत्तर सीमा 20 से 30 शब्द) 4 अंक

गाँधीजी के अनुसार शिक्षा शरीर, मस्तिष्क और आत्मा का विकास करने का माध्यम है। वे 'बुनियादी शिक्षा' के पक्षधर थे। उनके अनुसार प्रत्येक बच्चे को अपनी मातृभाषा की निःशुल्क एंव अनिवार्य शिक्षा मिलनी चाहिए जो उसके आस–पास की जिन्दगी पर आधारित हो; हस्तकला एवं काम के जरिए दी जाए, रोजगार दिलाने के लिए बच्चे को आत्मनिर्भर बनाए तथा नैतिक एवं आध्यत्मिक मूल्यों का विकास करने वाली हो। गाँधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे तथा उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक एवं राजनीतिक आन्दोलनों में भाग लेकर भारतीय समाज एवं राजनीति में इन मूल्यों को स्थापित करने की कोशिश की। गाँधीजी की सारी सोच भारतीय परम्परा की सोच है तथा उनके दिखाए मार्ग को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति और सम्पूर्ण राष्ट्र वास्तविक स्वतन्त्रता, सामाजिक सद्भाव एवं सामुदायिक विकास को प्राप्त कर सकता है। भारतीय समाज जब–जब भटकेगा तब–तब गाँधीजी उसका मार्गदर्शन करने में सक्षम रहेंगे।

1. गाँधीजी के अनुसार प्रत्येक बच्चे को किस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए ?
2. गाँधीजी की सोच किस प्रकार की सोच है?
3. 'सामाजिक' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय बताइए।
4. अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

खण्ड :– 2

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में निबंध लिखिए। 8 अंक
   1. राष्ट्रीय स्वच्छता आभियान
   2. प्लास्टिक थैली – पर्यावरण की दुश्मन
   3. बाल विवाह – एक अभिशाप
   4. राष्ट्रीय एकता

4. आप गणित विषय के छात्र है, अतिरिक्त कक्षाओं हेतु विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए। 6 अंक

अथवा

विद्यालय में खेल मैदान की व्यवस्था हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

5. निम्नांकित शब्दों मे से कोई दो शब्दों का उच्चारण एवं हिन्दी रूपान्तरण लिखिए।
   1. Ability
   2. Agree
   3. Balance
   4. Election
   5. Guest

खण्ड :– 3

6. निम्नलिखित पठित काव्यांश को घ्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए

4 अंक

बिन गोपाल बैरिन भई कुँजै।
तब ये लता लगति अति सीतल, अब भई विषम ज्वाल की पुँजैं।।
बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल फूलैं अलि गुँजै।।

पवन, पानि, घनसार, संजीवनि दधिसुत किरन भानु भई भुँजैं।।

ए,ऊधो, कहियो माधव सों, बिरह करद करद मारत लुँजैं।।

सूरदास प्रभु को मग जोवत, अँखियाँ भई बरन ज्यौं गुँजैं।।

1. कृष्ण के बिना बृज में क्या स्थिती हुई?
2. गोपियाँ उद्धव से क्या कह रही है?
3. लताओं की पहले और अब की स्थिती की तुलना कीजिए।
4. पद्यांश में 'गोपाल' किसे कहा गया है?

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश को घ्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4 अंक

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रुप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा हैं। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमन्त्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है! मालूम होता है यह भी लूँ वह भी लूँ सभी सामान जरुरी और आराम को बढ़ाने वाल मालूम होता है पर यह सब जादू का असर है।

1. जादू किस की राह काम करता है?
2. जादू का असर कब रहता है?
3. बाजार जाने पर मन खाली हे तो क्या होता है?
4. चुम्बक का जादू किस पर काम करता है?

8. निम्नलिखित में से किसी एक कवि या लेखक का परिचय लिखिए

(शब्द सीमा 80 से 100 शब्द) 4 अंक

(1) कबीर

(2) सूरदास

(3) जैनेन्द्र

(4) पूर्ण सिंह

9. श्रम के महत्व पर एक संक्षिप्त निबंध लिखिए। (शब्द सीमा 80 से 100 शब्द) 4 अंक

अथवा

भय के साध्य और असाध्य दोनो रुपों को उदाहरण सहित समझाइये?

10 भ्रमरगीत के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी लिखिए।

(शब्द सीमा 80 से 100 शब्द) 4 अंक

अथवा

शमशेर बहादुर सिंह की 'उषा' कविता का प्रकृति वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

11. पठित कविताओं की विषयवस्तु के आधार पर निम्नांकित में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दीजिए
(शब्द सीमा 20 से 30 शब्द) 6 अंक

(अ) कबीरदास ने संगति का क्या प्रभाव बताया है ? (2)

(ब) गोपियों को उद्धव का योग संदेश किसके समान लग रहा है? (2)

(स) भूषण ने अंधेरे पर किसका अधिकार बताया है ? (2)

(द) कवि स्नेह सुरा का पान कैसे करता है ? (2)

12. पठित विषयवस्तु के आधार पर निम्नांकित में से किन्हीं 3 प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

6 अंक

(अ) लेखक के अनुसार बाजार का जादू किस तरह काम करता है ?

(ब) क्रोध और भय में क्या अतंर है ?

(स) लेखक पूर्णसिंह ने किन – किन व्यक्तियों को साधू कहा है ?

(द) ऊबी और निम्मों से किसे चिढ़ थी?

खण्ड :– 4

13. पठित पाठों की विषय वस्तु के आधार पर निम्नाकिंत में से किन्ही 6 प्रश्नों के उत्तर दीजिए

12 अंक

(अ) सूबेदारनी ने स्वप्न में लहनासिंह से क्या कहा ? अपने शब्दों में लिखिए
(ब) शान्ति निकेतन में गाँधी जी पहली बार किनसे मिले ?
(स) गौरा के पुत्र का क्या नाम रखा गया ?
(द) राज भगत अपने साथ किसको लेकर आए ?
(य) महाकालेश्वर मंदिर कहाँ स्थित है ?
(र) देवनारायण को किसका अवतार माना जाता है ?
(ल) 'खेजडली' गाँव की इमरता देवी का बलिदान किस कारण हुआ ? लिखिए।

खण्ड :– 5

14 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर फीचर लिखिए :–(80 से 100 शब्द) 4 अंक

(1) मेरा प्रिय खेल

(2) बस्ते का बढता बोझ

(3) दहेज प्रथा

15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर रिपोर्ट लिखिए– (80 से 100 शब्द) 4 अंक

(1) विद्यालय का वार्षिकोत्सव

(2) शैक्षिक भ्रमण

(3) गणतन्त्र दिवस

16 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर आलेख लिखिए :–(80 से 100 शब्द) 4 अंक

1. महंगाई
2. कम्प्यूटर क्रान्ति
3- सेव द अर्थ

उच्च माध्यमिक (मूक–बधिर) परीक्षा

प्रश्न बैंक

कक्षा–12

विषय : हिन्दी साहित्य

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा अधिकृत प्रश्न बैंक

संयोजक

श्री महेश कुमार वाधवानी

प्रधानाचार्य एवं संरक्षक

रा.से.आ.पोद्दार मूक–बधिर उ.मा. संस्थान, जयपुर

लेखकः

श्रीमती मंजू परिहार

शिक्षिका

जागृति उच्च माध्यमिक विशिष्ट विद्यालय,कांकरोली

सह संयोजकः

श्रीमती सुष्मिता गिल

वरिष्ठ अध्यापक (गणित)

रा.से.आ.पोद्दार मूक–बधिर उ.मा. संस्थान, जयपुर

श्री उमेश चन्द्र भाण्ड

सहायक शिक्षक

जागृति उच्च माध्यमिक विशिष्ट विद्यालय,कांकरोली

2017

प्रकाशक :

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम

विषय – हिन्दी साहित्य

खण्ड–अ

क्र.सं.	इकाई का नाम	अंक भार
1	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास आधुनिक काल का सामान्य परिचय	**16** **4 x 4**

खण्ड–ब

	काव्यांग परिचय	**16**
1	काव्य गुण दोष (2 प्रश्न)	**2 x 1 = 2**
2	छन्द (गीतिका, हरिगीतिका, छप्पय, कुण्डलिया दुतविलम्बीत, वंशस्य, कक्ति, सवैया) (कोई 2 प्रश्न)	**2 x 3 = 6**
3	अलंकार (अन्योक्ति, समासोक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टांत, पतीप, मानवीकरण, व्यतिरेक) (कोई 2 प्रश्न)	**2 x 4 = 8**

खण्ड–स

	पाठ्य पुस्तक – प्रथम (सरयु)	**32**
1	पद्यांश – प्रश्न 4	**4 x 2 = 8**
2	पठित गद्यांश – प्रश्न 4	**4 x 2 = 8**
3	पठित काव्यांश	**1½ x 4 = 6**
4	पठित गद्यांश प्रश्न 4	**1½ x 4 = 6**
5	लघुत्तरात्मक प्रश्न – गद्य – पद्य	**2 x 2 = 4**

खण्ड–द

	द्वितीय पुस्तक (मंदाकिनी)	16
1	लघुत्तरात्मक प्रश्न	**4 x 3 = 12**
1	निबन्धात्मक प्रश्न	**1 x 4 = 4**

श्रीमती मंजू परिहार, शिक्षिका

उमेश चन्द्र भाण्ड, सहायक शिक्षक

उच्च माध्यमिक परीक्षा–2017

नमूने का प्रश्न पत्र (मूक–बधिर)

कक्षा–12

विषय – हिन्दी साहित्य

अनुक्रमांक							पूर्णांक	80 अंक

अवधि : 4 घंटे 15 मिनट

सामान्य निर्देश

1. सभी प्रश्न करने अनिवार्य है।
2. प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके सम्मूख अंकित है।

खण्ड–अ : हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

प्र.1	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए	4 x 4 : 16
	1. भारतेन्दु युग के साहित्य पर समकालीन जन चेतना और पुनर्जागरण का प्रभाव किस रूप में पड़ा ? लिखिए ।	
	2. "प्रयोगवादी कवि यथार्थवादी है"। इस कथन पर प्रकाश डालिए ।	
	3. द्विवेदी युग में किन राष्ट्रीय नेताओं की जीवनियाँ लिखी गई थी? लिखिए।	
	4. छायावादी काव्य के तीन प्रसिद्व रचनाकारों तथा उनकी एक–एक रचनाओं के नाम लिखिए।	
	5. "प्रथम तार सप्तक" के कवियों के नाम लिखिए ।	
	6. जय शंकर प्रसाद द्वारा रचित नाटकों के नाम लिखिए ।	

खण्ड–ब : काव्यांग परिचय

प्र.2	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में दीजिए।	2 X 1 : 2 अंक
	1. "वाक्यं रसात्मकं काव्यम्" काव्य की परिभाषा करने वाले है– अ) आचार्य मम्मट ब) पण्डित राज जगन्नाथ स) आचार्य विश्वनाथ द) आचार्य भामह ( )	
	2. "अहह नाथ रघुनाथ सम् कृपासिंधु नहीं आन।" मैं कौनसा गुण निहित है। अ) ओज गुण ब) माधुर्य गुण स) प्रसाद गुण द) कोई नहीं ( )	
प्र.3	निम्न प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।	2 X 3 : 6 अंक
	1. मात्रिक छंद और वर्णित छंदों में अन्त लिखिए । 2. गण कितने होते है? नाम लिखिए । 3. छंद किसे कहते हैं? परिभाषा लिखो ।	

प्र.4	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 2 **X** 4 : 8 अंक
	1. काव्यों में अलंकारों की क्या उपयोगिता है, क्या अलंकारों के बिना काव्य रचना नहीं हो सकती है ? लिखिए ।
	2. अलंकार किसे कहते है ? परिभाषा लिखिए

खण्ड–स : पाठ्य पुस्तक सरयू

प्र.5	निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4 **X** 2: 8 अंक
	उदयाचल से किरन धेनुएँ हाँक ला रहा वह प्रभात का ग्वाला पूँछ उठाए, चली आ रही क्षितिज जंगलों से टोली दिखा रहा पथ इस भूमा का । सारस सुना–सुना बोली
	1. प्रभात का ग्वाला, किसको हाँक कर ला रहा था ? 2. पूँछ उठाये टोलियाँ कहाँ से आ रही थी ? 3. "प्रभात का ग्वाला" के एक एक पर्यायवाची लिखिए । 4. प्रभात का ग्वाला किसे कहा गया है?
प्र.6	निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 4 x 2 : 8
	संस्कृति शब्द का संबंध संस्कार से है जिसका अर्थ है – संशोधन करना, उत्तम बनाना, परिष्कार करना । अंग्रेजी शब्द "कल्चर" में वही धातु है जो "एग्रीकल्चर" में है। इसका अर्थ भी पैदा करना, सुधारना है । संस्कार व्यक्ति के भी होते है और जाति के भी। जातिय संस्कारों को ही संस्कृति कहते है। "संस्कृति" एक समूहवाचक शब्द है। जलवायु के अनुकूल रहन–सहन की विधियाँ और विचार परम्पराएँ जाति के लोगों में दृढमूल हो जाने से जाति के संस्कार बन जाते है। इनको प्रत्येक व्यक्ति अपनी निजी प्रकृति के अनुकूल न्यूनाधिक मात्रा में पैतृक सम्पति के रूप में प्राप्त करता है। ये संस्कार व्यक्ति के घरेलू जीवन तथा सामाजिक जीवन में परिलक्षित होते है। मनुष्य अकेला रहकर भी इनसे छुटकारा नहीं पा सकता । ये संस्कार दूसरे देश में निवास करने अथवा दूसरे देशवासियों के सम्पर्क में आने से कुछ परिवर्तित भी हो सकते है और कभी कभी दब भी जाते है, किन्तु अनुकूल वातावरण प्राप्त करने पर फिर उभर आते है। 1. "संस्कृति" शब्द का संबंध किससे है तथा इसका क्या अर्थ है? 2. जातिगत संस्कार कैसे बनते है ? 3. संस्कृति किसे कहते है ? 4. संस्कार कौन–कौन से होते है ?

प्र.7	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 4 x1 ½ : 6 अंक
	भारत माता ग्राम वासिनी । खेतों में फैला है श्यामल, धूल भरा मैला सा, आँचल गंगा–यमुना में आँसू जल मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी । 1. भारत माता कहाँ निवास करती है ? (1 ½) 2. भारत माता का आँचल कैसा है ? (1 ½) 3. भारत माता की मूर्ति किसकी बनी हुई है? (1 ½) 4. रेखांकित पदो के एक–एक पर्यायवाची लिखिए । (1 ½)
	अथवा हाँ, वृद्व भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है, ऐसा पुरातन देश कोई विश्व में क्या ओर है? भगवान की भवभूतियों का यह प्रथम भण्डार है । विधि ने किया नर–सृष्टि का पहले यही विस्तार है। 1. भारत किसका प्रथम भण्डार है? 2. स्ंसार का सिरमौर कौन है? 3. नर–सृष्टि का विस्तार सबसे पहले कहाँ हुआ था ? 4. भारत वर्ष संसार का है – अ) मुकुट ब) सिरमौर स) ताज द) आभूषण ( )
प्र.8	निम्निलिखित गद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 6 अंक (4 x1½) "सामन्ती समाज के साहित्य की सबसे बड़ी कमजोर होती है – निष्क्रियता।" तुलसी का साहित्य निष्क्रियता का साहित्य नहीं है । धनुर्धर राम रावण का वध करने वाले पुरूषोतम है। तुलसी का साहित्य जीवन की अस्वीकृति का साहित्य नहीं है। वे उन लोगों का मजाक उड़ाते है जो काम क्रोध के भय के मारे रात को सो नहीं पाते । केवल राम भक्त ही चैन से सो पाते हैं । 1. सामन्ती समाज की सबसे बड़ी कमजोरी क्या है ? (1 ½) 2. धनर्धर राम ने किसका वध किया था ? (1 ½) 3. तुलसी किन–किन लोगों का मज़ाक उड़ाते है? (1 ½) 4. कौन से व्यक्ति चैन से सो पाते है? (1 ½) **अथवा** यदि हम अपने इतिहास पर दृष्टि डाले तो पता चलता है? हमारा देश वहीं हिन्दुस्तान है जो पहले "सोने की चिड़िया" कहा जाता था । हमारे सारे प्राचीन ग्रंथों में सुख–शांति, अतुल्य वैभव व ऐश्वर्य का वर्णन मिलता है। यह हमारा वैभव ही तो था जो विदेशी आक्रमणकारियों का एक मात्र उद्देश्य हिन्दुस्तान को लूटना ही था । हर बार प्रत्येक आक्रमणकारी अपने साथ बेहिसाब सोना, चॉदी, हीरे–मोती लुटकर ले गए । यह सत्य है कि मुहम्मद गजनवी सोमनाथ के मन्दिर को लुटकर उसकी बेहिसाब सम्पदा को ले गया। भारत की चमक से चकित होकर अंग्रेज भारत आए, यहाँ की अपार सम्पदा को इंग्लैण्ड ले गए ।

	1. "सोने की चिड़ियाँ" किस देश को कहा जाता था ? 2. आक्रमणकारी किस उद्देश्य से भारत आए थे ? 3. हमारे प्राचीन ग्रन्थों में किस बात का वर्णन मिलता है? 4. मुहम्मद गजनवी ने क्या किया था ?
प्र.9	निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 2 X 2 : 4 अंक 1. लेखक ने शरीरीष को अद्‌भूत अवधूत क्यों कहा है ? 2. कवि ने भारतवर्ष को भूलोक का गौरव क्यों बताया है?

खण्ड–द : पाठ्य पुस्तक मंदाकिनी

प्र.10	निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4□3ः 12 अंक 1. रेखाचित्र और संरभरण में क्या अंतर है ? 2. हिन्दी रंगमंच के विकास में नाटककार के योगदान को स्पष्ट कीजिए । 3. रेखाचित्र विधा का संक्षिप्त में परिचय दीजिए । 4. पंतजी को प्रकृति का चितेरा क्यों कहा जाता है? 5. जातिय संस्कारों को ही संस्कृति कहते है कैसे ? समझाइये। 6. "एंग्लो इण्डियन स्कूल का भारतीय बच्चों के प्रति क्या दृष्टिकोण थे ?
प्र.11	सर जगदीश चन्द्र बोस का जीवन परिचय दीजिए । अथवा वे कौन से कारण है जो भारतियों को एकता प्रदान करते हैं 4 अंक

हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
आधुनिक काल का सामान्य परिचय

प्रश्न–1	भारतेन्दु कालीन प्रसिद्ध कवियों का नामोल्लेख कीजिए।
प्रश्न–2	प्रयोगवादी कवि यथार्थवादी हैं इस कथन पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न–3	छाया वादी काव्य के तीन प्रसिद्ध रचनाकारों तथा उनकी एक–एक रचना के नाम लिखिए।
प्रश्न–4	द्विवेदी युगीन कहानीकार प्रेमचन्द जी की प्रमुख कहानियों के नाम लिखिए।
प्रश्न–5	द्विवेदी युग में किन राष्ट्रीय नेताओं की जीवनियॉ लिखी गई थी ?
प्रश्न–6	समकालीन नाटकों पर राजनीतिक सिद्धान्त हीनता की प्रवृत्ति का प्रभाव किस रूप में पड़ा लिखिए ?
प्रश्न–7	'प्रगतिवादी काव्य' किसे कहा गया है ?
प्रश्न–8	भारतेन्दु युगीन के साहित्य पर समकालीन जन चेतना और पुनर्जागरण का प्रभाव किस रूप में पड़ा ? लिखिए।
प्रश्न–9	' प्रथम तार सप्तक' के कवियों के नाम लिखिए।
प्रश्न–10	जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित नाटकों के नाम लिखिए।

खण्ड –2

काव्यांग परिचय (क) काव्य–गुण, काव्य दोष।

प्रश्न–1	ओज गुण की परिभाषा लिखिए।
प्रश्न–2	वाक्यं रसात्यकं काव्यम् काव्य की यह परिभाषा किसने की थी – (अ) आचार्य मम्म् (ब) आचार्य विश्वनाथ (स) पण्डित जगन्नाथ (द) आचार्य श्रामड
प्रश्न–3	काव्य दोष की परिभाषा लिखिए।
प्रश्न–4	' दिखा रहे पथ इस भूमा का' में कौनसा काव्य दोष है ? (अ) ग्रामात्व (ब) श्रुति कटुत्व (स) अश्लीलत्व (द) च्युत संस्कृति दीप
प्रश्न–5	मुक्त करो नारी को मानवा चिरवन्दिनी नारी को युग–युग की बर्बर कारा से, जननी, सखी, प्यारी को उपर्युक्त पंक्ति में कौनसा काव्य दोष है ?
प्रश्न–6	काव्य दोष का काव्य पर क्या प्रभाव पडता है ?

(ख) छन्द गीतिका हरिगीतिका, छप्पयः कुझउलियॉ, दुतविलम्बित, वंशस्य कवित, सवैया)

प्रश्न–1	गीतिका छन्द के प्रत्येक चरण में मात्राएँ होती है – (अ) 24 (ब) 26 (स) 28 (द) 23
प्रश्न–2	यति कहते है – (अ) छन्द की लय को (ब) छन्द की पंक्ति में आए विराम को (स) मात्राओं के समूह को (द) गणों को।
प्रश्न–3	मात्रिक छन्छ और वर्णित छंदो में अंतर लिखिए।
प्रश्न–4	गण कितने होते है ? नाम लिखिए।

प्रश्न–5	रोला और उल्लाला को मिलाकर बनने वाला छन्द कौनसा है नाम लिखिए ?
प्रश्न–6	कविता में छंद का क्या महत्व है ? स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–7	''उदयाचल से किरन धेनुएं हाँक ला रहा'' वह प्रभात का ग्वाला। उपर्युक्तपद में छंद का नाम लक्षण सहित बताइये।

(ग) अलंकार (अन्योक्ति, समासोक्ति, विभावना, विशेषाक्ति, दृष्टांत, प्रतीप, मानवीकरण, व्यति ऐक)

प्रश्न–1	करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान। रसरी आवत जात से, सिल पर परत निसान।। उपर्युक्त दोहे में कौनसा अलंकार है। (अ) दृष्टांत (ब) विभावना (स) विशेषोक्ति (द) अन्योक्ति
प्रश्न–2	मानवीकरण अलंकार किसे कहते हैं ?
प्रश्न–3	अलंकार किसे कहते हैं परिभाषा लिखिए।
प्रश्न–4	शब्दालंकार किसे कहते है? यह अर्थालंकार से किस प्रकार भिन्न होता है ?
प्रश्न–5	काव्य में अलंकारो की क्या उपयोगिता है ? क्या अलंकारो के बिना काव्य रचना नहीं हो सकती ?
प्रश्न–6	अर्थालंकार की प्रमुख विशेषताएँ क्या है ?
प्रश्न–7	अन्योक्ति अलंकार की परिभाषा लिखकर उदाहरण भी दीजिए।

श्री द्वारकेश अक्षम सेवा संस्थान, राजसमन्द द्वारा संचालित

जागृति उच्च माध्यमिक विशिष्ट विद्यालय,कांकरोली

कक्षा–12

विषय : हिन्दी साहित्य – पद्य भाग

अध्याय–1 : कबीर

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। ज्ञान प्रकासा गुरू मिला, सो जिनि बिसरि जाइ । जब गोविन्द क्रिपा करी, तब गुरू मिलिया आइ।। 1– कबीर ने उक्त पद्यांश में किसका वर्णन किया है? 2– गुरू की प्राप्ति किसकी कृपा का परिणाम है? 3– "गोविन्द" शब्द किसके लिये प्रयुक्त हुआ है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । मूरिख संग न कीजिए, लोहा जल न तिराह । कदली सिप भुजंग मुख, एक बूँद तिहूँ भाइ ।। 1– उपर्युक्त पद में क्या संदेश दिया गया है? 2– किसकी संगति नहीं करनी चाहिए? 3– "कदली" और "भुजंग" का शाब्दिक अर्थ लिखिए ।
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	कबीर के अनुसार "करतार" को पाने का एक मात्र उपाय क्या है?
प्रश्न–4	कबीर के अनुसार मूर्ख का साथ क्यों नहीं करना चाहिए ?
प्रश्न–5	"काहे री नलिनी तू कुम्हिलानी" पंक्ति में नलिनी प्रतीक है– अ) कमल के फूलों का ब) जल में उगने वाले फूलों का स) दुःखी लोगों की द) जीवात्मा की ( )
प्रश्न–6	कबीर के अनुसार जीवात्मा किससे मिलने के लिये तड़पती है?
प्रश्न–7	संकलित दोहों में कबीर दासजी ने गुरू के किन–किन उपकारों का स्मरण किया है?

अध्याय–2 : गोस्वामी तुलसीदास

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। कंत करश हरि सन परिहरहू । मोर कहा अति हित हियॅ धर हूँ।। समुझत जासु दूत कइ करनी । सुवहिं गर्भ रजनीचर धरनी ।। तासु नारि निज सचिव बोलाई । पठवहु कंत जो चहहु भलाई ।। तब कुल–कमल बिषिन दुखदाई । सीता सीत निसा सम आई।। सुनहु नाथ सीता बिनू दीन्हें । हित न तुम्हार सम्भु अज कीन्हें।। 1– मंदोदरी किससे अनुरोध कर रही है? 2– मंदोदरी ने रावण से क्या कहा ? 3– सीता किसके समान आई है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । तुमहिं रघुपतिहिं अंतर कैसा। खलु खद्योत दिनकरही जैसा ।। अतिबल मधु कैटभ जेहि मारे । महावीर दितीसुत संहारे।। जेहि बल बाधि सहस भुज मारा । सोई अवतरेउ हरन महि भारा।। तासु विरो न किजिअ नाथा। काल करम जिव जाकै हाथा ।। 1– राम ने किसलिये अवतार लिया है? 2– राम ने किन दो राक्षसों को मारा था ? 3– "दिनकर" शब्द का अर्थ लिखिए ।
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	मंदोदरी के अनुसार रावण को किससे बैर नहीं करना चाहिए?
प्रश्न–4	"सूर्पनखा" कौन थी? उसके साथ क्या हुआ था?
प्रश्न–5	"मंदोदरी की रावण को सीख" प्रसंग कहाँ से संकलित किया गया है?
प्रश्न–6	जब मंदोदरी को पता चला कि राम समुन्द्र पर सेतु बनाकर सेना सहित लंका आ पहुँचे है तो उसने क्या किया?
प्रश्न–7	रावण का कौनसा शरीर रणभूमि में धूल–धूरित पड़ा था?

अध्याय–3 : रहिम

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो चटकाय । टूटे से फिर ना जुड़े, जुड़े गाँठि परि जाय ।। 1– रहिम के अनुसार धागा किसका प्रतीक है? 2– धागा टूटने की आवाज कैसी होती है? 3– एक बार धागा टूट जाए तो फिर दुबारा जुड़ने पर क्या हो जाता है?

प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । रहिमन पानी राखिए, बिनु पानी सब सून। पानी गए न ऊबरै, मोती मानुष चून।। 1– रहीम के अनुसार किसके बिना सब सूना है? 2– मोती, मनुष्य और चूना के साथ पानी के क्या–क्या अर्थ होते हैं? 3– पानी शब्द के दो पर्यायवाची लिखो।
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	रहीम ने दीपक और कपूत की समानता का वर्णन क्यों किया हैं?
प्रश्न–4	कुसंग से कौन लोग प्रभावित नहीं होते है और क्यों ?
प्रश्न–5	रहीम के अनुसार सच्चे मित्र में क्या विशेषताएँ होती है?
प्रश्न–6	"रहिमन धागा प्रेम का मत तोड़ो चिटकाय" पंक्ति में कवि ने क्या संदेश दिया है?
प्रश्न–7	"मोती, मानुष, चून"के साथ पानी के क्या–क्या अर्थ होते है?

अध्याय–4 : धनानंद

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। मीत, सुजार, अनीत करौजिन, हा हा न हुजियै मोहि अमोही। दीठि कौ और कहूँ नहिं ठौर, फिरी दृग रावरै रूप की दोही। एक बिसास की टेक गहें, लगि आस रहे बसि प्रान बटोही। ही घन आनन्द जीवन मूल दई । कित प्यासनि मारत मोही ।। 1– धनानंद की प्रेमिका का क्या नाम था? 2– "प्रान बटोही" में कवि धनानंद के प्राण बसे हुए थे ? 3– "मीत" शब्द का अर्थ लिखिए ।
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अति सूधो सनेह को मारग है, जहाँ नैंकु सयानप बॉक नहीं। तहाँ साचै चलै तजि आपनपौ झिझकै कपटी जै निसांक नही ।। घन आनन्द प्यारे सुजान सुनी, यहाँ एक ते दूसरो आँक नहीं । तुम कौन–धौं पाटी पढे हो कहौ, मन लैंहु पै देहु छटांक नहीं ।। 1– सीधा सरल मार्ग कौनसा है? 2– उपर्युक्त पद्यांश का रचियता कौन है? 3– कवि अपना दुःख किसके लिये कहना चाह रहा है?

	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	प्रेम मार्ग को "अति सूधो" बनाने का आशय क्या है?
प्रश्न–4	विरहिणी के नैत्रों को सदा किस बात की लालसा बनी रहती है?
प्रश्न–5	प्रेम की पीर के सिद्हस्त कवि कौन थे ?
प्रश्न–6	"दई कित प्यासनि मारत मोही" कवि ने यह किससे और क्यों कहा है?

अध्याय–5 : सेनापति

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। देखैं छिति अंबर जलै है चारि ओर छोर तिन तरबर सब ही कौं रूप हर्यौं है। महा झर लागै जोति भद्व की होति चलै, जलद् पवन तनसेक मानौं पर्यौं हैं। दारून तरनि तरैं नदी सुख पावैं सब, सीरी धन छॉह चाहि बौई चित धर्यों हैं देखौं चतुराई सेनापति कविताई की जु, ग्रीषम विषय बरसा की सम कर्यौ है। 1– उपर्युक्त पद्यांश में कवित ने किसा वर्ण किया है? 2– किस ऋतु में चारों तरफ जलन लगने लगती है? 3– बारीश की झड़ी कब लगती है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । बरन बरन तरू फूले उपवन बन, सोई चतुरंग संग दल लहियत है। बंदी जिमि बोलत बिरद बीर कोकिल गुंजत मधुप गान गुन गहियत है। आवै आस–पास, पहुपुपन की सुबास सोई, सौंधें के सुगंध मॉझ सने रहियत है। सोभा कौ समाज, सेनापति सुख–साज आज आवत बसंत रितुराज कहियत हैं 1– ऋतुराज किसे कहा गया है? 2– उक्त पद्यांश में किसका वर्णन किया गया है? 3– बसंत ऋतु में प्रकृति कैसी बन जाती है?

	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	बसंत ऋतु के आगमन पर प्रकृति में कौन–कौन से परिवर्तन होते हैं?
प्रश्न–4	चतुरंग से क्या तात्पर्य है?
प्रश्न–5	बसंत ऋतु में वियोगी, योगी और भोगी किस–किस रूप में प्रभावित हो रहे हैं?
प्रश्न–6	ग्रीष्म ऋतु में धरती और आकाश्श की क्या दशा दिखाई दे रही है?

अध्याय–6 : पद्माकर

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। करम को मूल तन, तन मूल जीव जग जीवन को मूल अति आनन्द की धरिबो । कहै "पद्माकर" ज्यों आनन्द को मूल राज, राजमूल केवल प्रज्ञा को भौन भरिबो । 1– उपर्युक्त पद्यांश का रचियता कौन है? 2– करम का मूल क्या है? 3– जीवन का मूल क्या है?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–2	"भूपति भागीरथ के रथ की सुपष्य पथ" पंक्ति का भावार्थ लिखिए ।
प्रश्न–3	"गंगा स्तुति" के अनुसार गंगा की क्या विशेषताएँ है?
प्रश्न–4	शिवजी अपने जटाजूट को सुसज्जित करने के लिये क्या धारण करते हैं?
प्रश्न–5	"भूमि पर फबी है थिति रजत पहार की" – में रजत पहार किसको कहा गया है तथा क्यों ?
प्रश्न–6	"गंगा लहरी" काव्य में किसका वर्णन किया गया है?
प्रश्न–7	"धनमूल धर्म" कहने का क्या तात्पर्य है?

अध्याय–7 : मैथिलीशरण गुप्त

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। स्वयं सुसज्जित करके क्षण में प्रियतम को, प्राणों के पण में, हमी भेज देती है रण में– क्षात्र धर्म के नाते । सखि, वे मुझसे कहकर जातें। हुआ न वह भी भाग्य अभागा, किस पर विफल गर्व अब जागा?

	जिसने अपनाया था, त्यागा। रहे स्मरण ही आते । सखि, वे मुझसे कहकर जाते ! 1– स्त्री अपने प्रियतम को क्षात्र धर्म के नाते कहॉ भेज देती है? 2– कवि ने किसका सजीव चित्रण किया है? 3– स्वदेश की रक्षा हेतु पत्नियां क्या करती है ?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । हाँ, वृद्व भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है, ऐसा पुरातन देश्श कोई विश्श्व में क्या और है? भगवान की भव–भूतियों का यह प्रथम भण्डार है। विधि ने किया नर–सृष्टि का पहले यहीं विस्तार 1– हमारा भारत संसार का क्या है? 2– भारत किसका प्रथम भण्डार है? 3– नर–सृष्टि का सबसे पहले विस्तार कहॉ हुआ था ?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	कवि ने भारतवर्ष को भू–लोक का गौरव क्यों बताया है?
प्रश्न–4	मैथिलीशरण गुप्त को राष्ट्र कवि क्यों कहा जाता है?
प्रश्न–5	"विधि ने किया नर–सृष्टि का पहले यहीं विस्तार है।" यह कहकर कवि भारत की किस विशेषता का वर्णन करना चाहता है?
प्रश्न–6	"दुःखी न हो इस जन के दुःख से" पंक्ति में यशोधरा ने "जन" शब्द का प्रयोग किसके लिये किया है?
प्रश्न–7	क्षत्राणियाँ अपना धर्म कैसे निभाती है?

अध्याय–8 : सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला"

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। स्थिर राघवेन्द्र को हिला रहा फिर–फिर सराय, रह रह उठता जग जीवन में रावण जय भय, जो नहीं हुआ आज तक हृदय रिपुदम्य श्रान्त, एक भी, अयुत–लक्ष में रहा जो दुराकान्त, कल लड़ने को ही रहा विकल वह बार–बार अमार्थ मानता मन उद्यत हो हार–हार । 1– राम को क्या संशय हो रहा था ? 2– राम किसके साथ युद्व करने की तैयारी कर रहे थे? 3– "राघवेन्द्र" शब्द किसके लिय प्रयुक्त हुआ है?

प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । बुद्वि के दुर्ग पहुॅचा विद्युत गति हटचेतन, राम में जगी स्मृति हुए सजग पा भाव प्रमन। "यह है उपाय" कह उठे राम ज्यो मन्द्रित धन । "कहती थी" माता, मुझको सदा राजीव नयन् । दो नील कमल है शेष अभी, यह पुश्श्चरण पूरा करता हूँ देकर मात एक नयन ।। 1– राम की माता उनको सदा क्या कहती थी ? 2– राम ने शक्ति पूजा हेतु कौन–कौन से फूल चढायें थे ? 3– राम नीलकमल के अभाव में महाशक्ति को क्या अर्पित करना चाहते थे?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	राम ने शक्ति पूजा हेतु कौन–कौन से फूलों का प्रयोग किया ?
प्रश्न–4	"दो नील कमल है शेष अभी" राम किन नील कमलों की बात कर रहे थे ?
प्रश्न–5	राम ने अन्तिम जप को किस प्रकार पूर्ण करने का विचार किया?
प्रश्न–6	महा शक्ति ने राम को क्या आशिर्वाद दिया ?
प्रश्न–7	राम के मन में बार–बार क्या संशय उठ रहा था?

अध्याय–9 : जयशंकर प्रसाद

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। आह ! इस खेवा की । कौन थामता है पतवार ऐसे अंध डमें, अन्धकार–पारावर में गहन नियति–सा उमड़ रहा है, ज्योति,रेखाहीन–क्षुब्ध हो। खींच ले चला है– काल धीवर अनन्त में साँस–सफरी–सी अटकी है किसकी आशा में 1– कवि ने किस कारण दु:ख व्यक्त किया है? 2– कवि देशवासियों को क्या प्रेरणा दे रहा है? 3– कविता में "गहन नियति सा" किसके लिये प्रयुक्त हुआ है?

	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–2	पेशोला की झील में बने महलो के प्रतिबिम्ब विषाद के शिल्प बने हुए क्यों लगते हैं?
प्रश्न–3	सूर्य को निर्धूम तथा भस्म रहित ज्वलन पिण्ड कहने का क्या आशय है?
प्रश्न–4	जय शंकर प्रसाद के काव्य की कौनसी विशेषताएँ राष्ट्रीयता के भावों को जगाने में सहायक सिद्व हुई है?
प्रश्न–5	"कालिमा बिखरती है – संध्या के कलंक–सी" का तात्पर्य क्या है?
प्रश्न–6	"कौन लेगा भार यह?" कवि किसका भार लेने की बात कह रहा है?
प्रश्न–7	"कौन थामता है पतवार ऐसे अंधड में" अंधड़ शब्द का क्या अर्थ है?

अध्याय–10 : रामधारी सिंह "दिनकर"

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। क्षमा शोभती उस–भुजंग को, जिसके पास गरल हो। उसको क्या, जो दन्तहीन, विषरहित, विनित सरल हो? तीन दिवस तक पंथ माँगते रघुपति सिंधु–किनारे, बैठे पढते रहे छनद अनुनय के प्यारे–प्यारे। 1– लोग किस भुजंग से डरते है? 2– राम तिन दिन तक समुंद्र से क्या मांग रहे थे? 3– "गरल" शब्द का अर्थ लिखिए?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । शान्ति नही ंतब तक, जब तक सुख–भाग न नर का सम हो, नहीं किसी को बहुत अधिक हो, नहीं किसी को कम हो। ऐसी शान्ति राज्य करती है, तन पर नहीं, हृदय पर नर के ऊँचे विश्वासों पर श्रद्वा, भक्ति प्रणय पर। 1– शान्ति कब तक स्थापित नहीं हो सकती है? 2– सच्ची शान्ति कहाँ राज करती है? 3– शान्ति मनुष्य के किस भाव पर आधारित होती है?

	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	क्षमा किस पुरूष को शोभा देती है?
प्रश्न–4	"कुरूक्षेत्र के पूर्व नहीं क्या समर लगा था चलने"–कहने से पितामह भीष्म का आशय क्या है?
प्रश्न–5	"क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो! पंक्ति का आशय लिखिए।
प्रश्न–6	राम को क्रोध क्यों आया?
प्रश्न–7	क्षमा, दया, सहनशीलता की पूजा कब होती है?

अध्याय–11 : सुमित्रा नन्दन पंत

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। भारत माता, ग्रामवासिनी । खेतों में फैला है श्यामल, धूल भरा मैला सा आँचल, गंगा यमुना में आँसू जल, मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी। 1– भारत माता कहां निवास करती है? 2– भारत माँ का आंचल कैसा है? 3– भारत माँ की मूर्ति किसकी बनी हुई है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । आः धरती कितना देता है। मैनें छुटपन में छिपकर पैसे बोए थें, सोचा था पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे रूपयों की कलदार मधुर फसले खनकेंगी, और फल फल कर मैं मोटा सेठ बनूँगा। पर बंजर धरती में एक न अंकुर फूटा, बध्या मिट्टी ने न एक भी पैसा उगला । 1– कवि ने बचपन में क्या बोया था ? 2– कवि किसके पेड़ उगाना चाहता था? 3– कवि बचपन में क्या बनना चाहता था?

	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	"भारत माता" कविता की दो विशेषताएँ लिखिए ।
प्रश्न–4	भारत माता को गीता प्रकाशिनी कहने का क्या आशय है?
प्रश्न–5	"हम जैसा बोंयेगे वैसा ही पायेंगे"–"धरती कितना देती है" कविता के आधार पर आशय स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न–6	रत्न प्रसाविनी किसको कहा गया है तथा क्यों?
प्रश्न–7	पंतजी को प्रकृति का चितेरा क्यों कहा जाता है?

अध्याय–12 : नरेश मेहता

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। उदयाचल से किरन धेनुएँ हाँक ला रहा वह प्रभात का ग्वाला । पूँछ उठाये चली आ रही क्षितिज–जंगलों से टोली दिखा रहे पथ इस भूमा का। सारस सुना–सुना बोली 1– प्रभात का ग्वाल क्या हाँक कर ला रहा था? 2– पूँछ उठाकर टोलियां कहाँ से आ रही थी? 3– रेखांकित पदो ंके पर्यायवाची लिखो।
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–2	कवि ने सूर्य की तुलना प्रभात के ग्वाले से क्यों की?
प्रश्न–3	कवि ने विडम्बना किसको कहा है?
प्रश्न–4	"नभ की आम्र छाँह में बैठा बजा रहा बंशी रखवाला" पंक्ति में बंशी कौन तथा कहाँ बजा रहा था ?
प्रश्न–5	"उदयाचल" किसको कहा गया है?
प्रश्न–6	"विडम्बना" कविता के अनुसार सत्य को जानने में क्या बाधाएँ है?
प्रश्न–7	"बरस रहा आलोक –दूध है खेतों, खलिहानों में" कहने का क्या आशय है?
प्रश्न–8	"एक बोध" कविता का वर्ण्य विषय क्या है?

विषय : हिन्दी साहित्य – गद्य भाग

अध्याय–13 : गुल्ली–डंडा

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। मैं समझता था कि न्याय मेरी ओर है। आखिर मैंने किसी स्वार्थ से ही उसे अमरूद खिलाया होगा। कौन निःस्वार्थ किसी के साथ सलूक करता है। भिक्षा तक तो स्वार्थ के लिये ही देते है। जब गया ने अमरूद खाया तो फिर उसे मुझसे दॉव लेने का क्या अधिकार है। रिश्वत देकर तो लोग खून पचा जाते हैं। यह मेरा अमरूद यों ही हजम कर जाएगा। अमरूद पैसे के पाँच वाले थे, जो गया के बाप को भी नसीब न होंगे । यह सरासर अन्याय था । 1– लेखक ने गया को क्या खिलाया था ? 2– गया को दाँव लेने का अधिकार क्यों नहीं था? 3– लेखक के अुनसार अमरूद कितने पैसे का था ?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । आँख किसी प्यासे पथिक की भाँति बचपन के उन क्रीड़ा–स्थलों को देखने के लिये व्याकुल हो रही थी; पर उस परिचित नाम के सिवा वहाँ और कुछ परिचित न था। जहाँ खण्डहर था, वहाँ पक्के मकान खड़े थे। जहाँ बरगद का पुराना पेड़ था, वहाँ अब सुन्दर बगीचा था । स्थान की काया पलट हो गई थी । अगर उसके नाम और स्थिति का ज्ञान न होता, तो मैं इसे पहचान भी न सकता। बचपन की संचित और अमर स्मृतियाँ बाँह खोले अपने उन पुराने मित्रों से गले मिलने को अधीर हो रही थी मगर वह दुनिया बदल गई थी । ऐसा जी होता था कि उस धरती से लिपटकर रोंऊँ और कहूँ, तुम मुझे भूल गई । मैं तो अब भी तुम्हारा वही रूप देखना चाहता हूँ। 1– लेखक की आँखे क्या देखने के लिये व्याकुल थी ? 2– लेखक के अनुसार वहाँ क्या–क्या बदल गया था ? 3– उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए ।
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	कहानी का शीर्षक "गुल्ली–डंडा" क्यों रखा गया ?
प्रश्न–4	कथा नायक के अनुसार गुल्ली–डंडा खेलों का राजा क्यों लगता है?
प्रश्न–5	कहानी का नायक बड़ा होकर क्या बनता है?
प्रश्न–6	"मैं समझता था न्याय मेरी ओर है।" लेखक ऐसा क्यों समझता था?
प्रश्न–7	"ऐसा जी होता था कि उस धरती से लिपट कर रोऊँ और कहूँ, तुम मुझे भूल गई। मैं अब भी तुम्हारा वही रूप देखना चाहता हूँ।" इस कथन से मनुष्य की किस मनोवृत्ति का पता चलता है?
प्रश्न–8	"गुल्ली–डंडा" कहानी के लेखक का नाम लिखिये।

अध्याय–14 : मिठाईवाला

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। इस अधूरे वाक्य को वह ऐसे विचित्र, किंतु मादक–मधुर ढंग से गाकर कहता कि सुनने वाले एक बार अस्थिर हो उठते। उसके स्नेहाभिषिक्त कंठ से फूटा हुआ उपयुक्त गान सुनकर निकट के मकानों में हलचल मच जाती। छोटे–छोटे बच्चों को अपनी गोद में लिये युवतियाँ चिको को उठाकर छज्जों पर नीचें झाँकने लगती। गलियों और उनके अन्तर्व्यापी छोटे–छोटे उद्यानों में खेलते और इठलाते हुए बच्चों का झुंड उसे घेर लेता और त बवह खिलौने वाला वहीं बैठकर खिलौनें की पेटी खेल देता। 1– खिलौने वाले का अधूरा वाक्य सुनकर निकट मकानों में क्या प्रभाव पड़ता था? 2– खिलौने वाले की आवाज कैसी थी? 3– खिलोने वाले की आवाज सुनकर बच्चें क्या करते थे?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । मुरलीवाला एक दम अप्रतिभ हो उठा। बोला–"आपको क्या पता बाबूजी कि इनकी असली लागत क्या है। यह तो ग्राहकों का दस्तूर होता है कि दुकानदार चाहे हानि उठाकर चीज़े क्यों न बेचे, पर ग्राहक यही समझते है – दुकानदार मुझे लूट रहा है। आप भला काहे को विश्वास करेंगे? लेकिन सच पूछिए तो बाबूजी, असली दाम दो पैसा ही है । आप कहीं से दो पैसे में ये मुरलियाँ नहीं पा सकते । मैंने तो पूरी एक हजार बनवाई थीं, तब मुझे इस भाव पड़ी है।" 1– मुरली की असली लागत क्या थी? 2– ग्राहक और विक्रेता के बीच क्या संशय रहता है? 3– मुरलीवाला ने कितनी मुरलियाँ बनवाई थी?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	खिलौने वाले का अधूरा वाक्य क्या था? उसको सुनने पर युवतियों तथा बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता था?
प्रश्न–4	विजय बाबू ने मुरलीवाले से क्या पूछा, उसने उनको क्या उत्तर दिया?
प्रश्न–5	मुरलीवाले तथा विजय बाबू की बातों से व्यापारी तथा ग्राहक के किस चरित्र का परिचय मिलता है?
प्रश्न–6	"दादी प्राण निकाले नहीं निकले।" मिठाई वाले ने दादी से ऐसा क्यों कहा?
प्रश्न–7	मिठाई वाले ने अपनी मिठाइयों की क्या–क्या विशेषताएँ बताई।
प्रश्न–8	"मिठाई वाला" कहानी के लेखक कौन है?

अध्याय–15 : भारतीय संस्कृति

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। संस्कृति शब्द का संबंध संस्कार से है जिसका अर्थ है संशोधन करना, उत्तम बनाना, परिष्कार करना/अंगरेजी शब्द "कल्चर" में वहीं धातु है जो "एग्रीकल्चर" में है। इसका अर्थ भी पैदा करना, सुधारना है। संस्कार व्यक्ति के भी होते है और जाति के भी। जातीय संस्कारों को ही संस्कृति कहते है। संस्कृति एक समूह वाचक शब्द है। जलवायु के अनुकूल रहन–सहन की विधियाँ और विचार–परम्पराएँ जाति के लोगों में दृढमूल हो जाने से जाति के संस्कार बन जाते है। इनको प्रत्येक व्यक्ति अपनी निजी प्रकृति के अनुकूल न्यूनाधिक मात्रा में पैतृक सम्पति के रूप में प्राप्त करता है। ये संस्कार व्यक्ति के घरेलू जीवन तथा सामाजिक जीवन में परिलक्षित होते है। मनुष्य अकेला रहकर भी इनसे छुटकारा नहीं पा सकता। ये संस्कार दूसरे देश में निवास करने अथवा दूसरे देशवासियों के संपर्क में आने से कुछ परिवर्तित भी हो सकते हैऔर कभी–कभी दब भी जाते हैं; किन्तु अनुकूल वातावरण प्राप्त करने पर फिर उभर आते है। 1– "संस्कृति" शब्द का अर्थ क्या है? 2– जातिगत संस्कार कैसे बनते है? 3– अंग्रेजी शब्द "कल्चर" तथा "एग्रीकल्चर" में अर्थ एवं समानता लिखिए।
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । हमारी संस्कृति इतने में ही संकुचित नहीं है। पारिवारिकता पर हमारी संस्कृति में विशेष बल दिया गया है। भारतीय संस्कृति में शोक की अपेक्षा आनंद को अधिक महत्व दिया गया है। इसलिये हमारे यहाँ शोकान्त नाटकों का निषेध है। भारत में आतिथ्य को विशेष महत्व प्रदान किया गया है। अतिथि को भी देवता माना गया है – अतिथि देवो भवः! 1– भारतीय संस्कृति ने किस बात पर अधिक बल दिया है? 2– भारत में कौनसे नाटकों को मान्यता नहीं है? 3– भारतीय संस्कृति में अतिथि को क्या माना गया है?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	"जातीय संस्कारों को ही संस्कृति कहते हैं।" क्यों?
प्रश्न–4	भारतीय संस्कृति तथा अन्य संस्कृतियों के धार्मिक कार्यों में क्या अन्तर हैं?
प्रश्न–5	भारतीय संस्कृति में किन चार गुणों को महत्ता प्रदान की गई है ?
प्रश्न–6	संस्कृति के कितने पक्ष होते हैं? बाह्य पक्ष, आन्तरिक पक्ष से किस प्रकार संबंधित होता है?
प्रश्न–7	"अतिथि देवो भवः" का क्या आशय है?

अध्याय–16 : शिरीष के फूल

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। कालिदास सौन्दर्य के बाह्य आवरण को भेदकर उसके भीतर तक पहुँच सकते थे, दुःख हो कि सुख, वे अपना भाव रस उस अनासक्त कृषीवल की भाँति खींच लेते थे, जो निर्दलित ईक्षुदण्ड से रस निकाल लेता है। कालिदास महान थे, क्योंकि वे अनासक्त रह सके। कुछ इस श्रेणी की अनासक्ति आधुनिक हिन्दी के कवि सुमित्रानंदन पंत में है। कविवर रविन्द्रनाथ में यह अनासक्ति थी । 1– आधुनिक हिन्दी के कवि कौन थे? 2– महान कवि कौन थे? 3– कालिदास किसके बाह्‌ा आवरण को भेदकर उसके भीतर तक पहुॅच सकते थे।
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । जेठ की जलती धूँप में, जबकि धरित्री निर्धूम अग्निकुंड बनी हुई थी, शिरीष नीचे से ऊपर तक फूलों से लद गया था । कम फूल इस प्रकार की गरमी में फूल सकेनक की हिम्मत करते है। कर्णिकार (वनचंपा) और आरग्वध (अमलतास) की बात मैं भूल नहीं रहा हूॅ। वे भी आस–पास बहुत है। लेकिन शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती। वह पन्द्रह बीस दिन के लिये फूलता है, वसंत ऋतु में पलाश की भाँति। 1– धरित्रि निर्धूम क्या बनी हुई थी ? 2– कौनसा वृक्ष फूलों से लदा हुआ था? 3– "धरित्री" का अर्थ क्या है?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	"शिरीष का फूल" निबन्ध के लेखक का नाम क्या है? तथा यह हिन्दी गद्य की किस विधा की रचना है?
प्रश्न–4	अधिकार लिप्सा किसको कहते है? "शिरीष के फूल" पाठ के आधार पर बताइये कि इसका समाज पर क्या दुष्प्रभाव पड़ता है?
प्रश्न–5	लेखक ने "शिरीष के फूल" नामक पाठ में वृक्ष तथा फल और फूलो की क्या विशेषताएँ बताई गई है?
प्रश्न–6	लेखक ने शिरीष को अद्‌भुत अवधूत क्यों कहा है?
प्रश्न–7	"धरित्री निर्धूम अग्निकुंड बनी हुई थी" पंक्ति में क्या आशय है?

अध्याय–17 : पाजेब

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। मैंने स्थिर किया कि अपराध के प्रति करूणा ही होनी चाहिए, रोष का अधिकार नहीं है। प्रेम से ही अपराध–वृत्ति को जीता जा सकता है। आतंक से उसे दबाना ठीक नहीं हैं बालक का स्वभाव कोमल होता है और सदा ही उससे स्नेह से व्यवहार करना चाहिए । 1– अपराधी के साथ कैसा व्यवहार करके उसको अपराध करने से रोका जा सकता है? 2– बालक का स्वभाव कैसा होता है और उसके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए? 3– लेखक के अनुसार किन लोगों पर रोष का अधिकार नहीं है?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–2	"पाजेब" की कहानी के रचनाकार का नाम तथा रचना का उद्देश्य क्या है?
प्रश्न–3	"पाजेब" की कहानी के अनुसार अपराध प्रवृति को कैसे जीता जा सकता है?
प्रश्न–4	आशुतोष की बुआ उसके लिये क्या लाई थी ?
प्रश्न–5	बतों बातों में लेखक को क्या पता लगा जिससे वह आशुतोष पर पायल चुराने का संदेह करने लगता है?
प्रश्न–6	"पाजेब" कहानी की दो विशेषताएँ लिखिए?
प्रश्न–7	आसुतोष निरपराध कब सिद्व हुआ ?

अध्याय–18 : अलोपी

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। अंधे का दुःख गूँगा होकर आया था, अतः सांत्वना देने वाले उसके हृदय तक पहुँचने का मार्ग ही न पा सकते थे। मेरे बोलते ही वह लज्जा से इस तरह से सिकुड़ जाता, मानो उसके चारो ओर ओलें बर रहे हो, इसी से विशेष कुछ कह–सुनकर उसका संकोचजनित कष्ट बढाना जैसे उचित न समझा। पर अपने अपराध से अनजान और अकारण दण्ड की कठोरता से अवाक् बालक जैसे अलोपी के चारो ओर जो अँधेरी छाया घिर रही थी उसने मुझे चिंतित कर दिया। 1– लेखिका चिंतित क्यों हो उठती थी? 2– अलोपी के मन की कौनसी पीड़ा का चित्रण हुआ है? 3– लेखिका के अनुसार अलोपी कौन था?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–2	"आज के पुरूष का पुरूषार्थ विलाप है।"लेखिका के इस कथन का क्या आशय है?
प्रश्न–3	अलोपी के चरित्र का प्रमुख गुण क्या था ?
प्रश्न–4	महादेवी के मन में अलोपी के प्रति कैसा भाव है?
प्रश्न–5	अलोपी कौन था? महादेवी वर्मा के साथ उसका परिचय किस प्रकार हुआ?
प्रश्न–6	महादेवी के समक्ष अलोपी ने क्या प्रस्ताव रखा था तथा वह अभूतपूर्व क्यों था?
प्रश्न–7	अपने विवाह से पूर्व अलोपी कैसा था तथा विवाह के बाद कैसा हो गया था ?

अध्याय–19 : सेव और देव

प्रश्न–1	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। देवत्व की इतनी उपेक्षा । मानव नश्वर है, यह मर जाए और उसकी अस्थियों पर कीड़ें रेंगे, यह समझ में आता है लेकिन देवता पत्थर जड़ है, उसका महत्व कुछ नहीं । लेकिन मूर्ति तो देवता की है, देवत्व की चिरन्तनता की निशानी तो है । एक भावना है, पर भावना आदरणीय है। क्या यह मूर्ति यहीं पड़े रहने के काबिल है? इन कीड़ों के लिये जिनके पास श्रद्वा को दिल नहीं, पूजने को हाथ नहीं, देखने को आँख नहीं, छूने को त्वचा नहीं, टटोलने को ये हिलती हुई गन्दी मूँछे है..... यह मूर्ति कही ठिकाने से होती ! 1– वहाँ किसकी मूर्ति है? 2– कीड़ो के पास क्या नहीं थे? 3– मानव शरीर कैसा है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित गद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । ऐसा जान पड़ता था कि अंधकार की कोख में चांदी का प्रवाह फूट पड़ा है– या प्रकृति नायिका की कजरारी आँखों से स्नेह गद्‌गद् आँसुओं की झड़ी–और उसके पार एक चट्‌टान के सहारें एक पहाड़ी राजपूत बाला खड़ी थी, उसकी चौंकी हुई भोली शक्ल से साफ दिखता था कि साहब का यहाँ अकस्मात् आ जाना उसे एकदम अनाधिकार–प्रवेश मालूम हो रहा है।। 1– नायिका की कजरारी आँखों में किसी झड़ी लगी हुई थी ? 2– अंधकार की कोख में क्या फूट पड़ा था? 3– राजपूत बाला किसके सहारे खड़ी थी तथा वह चौंकी हुई क्यों थी?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	"अज्ञेय" का पूरा नाम बताते हुए उनके दो प्रसिद्व उपन्यासों के नाम बताइए।
प्रश्न–4	मनाली में दर्शनीय मन्दिर कौन–सा है? उसकी क्या विशेषताएँ है?
प्रश्न–5	"क्या मूर्ति यही पड़े रहने के काबिल है?" इस कथन से प्रोफेसर का क्या अभिप्राय है?
प्रश्न–6	प्रोफेसर कुल्लू पहाड़ की सुरम्य उपत्यकाओं में क्यों आए थे?
प्रश्न–7	प्रपात के फेन पर सूर्य कीरणों का पड़ता देखकर प्रोफेसर ने क्या सोचा?

अध्याय–20 : भक्ति आन्दोलन और तुलसीदास

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सामन्ती समाज के साहित्य की सबसे बड़ी कमजोरी होती है–निष्क्रियता। तुलसी का साहित्य निष्क्रियता का साहित्य नही है। धनुर्धर राम रावण का वध करने वाले पुरूषोतम है। तुलसी का साहित्य जीवन की अस्वीकृति का साहित्य नहीं है। वे उन लोगों का मज़ाक उड़ाते है जो काम क्रोध के भय के मारे रात को सो नही पाते। केवल राम का भक्त चैन से सो पाता है। 1– सामन्ती समाज के साहित्य की सबसे बड़ी कमजोरी क्या है? 2– धनुर्धर राम ने किसका वध किया था ? 3– तुलसी किन–किन लोगों का मज़ाक उड़ाते है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । भक्ति आन्दोलन अखिल भारतीय सांस्कृतिक आन्दोलन था । इस आन्दोलन की श्रेष्ठ देन थी, तुलसीदास । उन्होंने पंथियों और सगुण मतावलम्बियों को एक किया । उन्होंने वैष्णवों और शाक्तों को मिलाया । उन्होंने भक्ति के आधार पर जन साधारण के लिये धर्म को सरल और सुलभ बनाकर पुरोहितों के धार्मिक अधिकार की जड़े हिला दी । तुलसीदास मानवीय करूणा के अन्यतम कवि है। उनके राम दीनबन्धु हैं। 1– भक्ति आन्दोलन कैसा आन्दोलन था? 2– भक्ति आन्दोलन की श्रेष्ठ देन क्या है और उन्होंने क्या किया था? 3– तुलसी के राम कौन थे?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	तुलसी युगीन साहित्यकार वर्तमान साहित्यकारों से किस प्रकार भिन्न है?
प्रश्न–4	तुलसीदास के काव्य का साहित्य तथा सामाजिक महत्व बताइये।
प्रश्न–5	राम विलास शर्मा ने तुलसी युग के साहित्यकारों" की क्या विशेषताएँ बताई है?
प्रश्न–6	भक्ति आन्दोलन और तुलसी काव्य की सामाजिक महत्ता पर प्रकाश डालिए।
प्रश्न–7	डॉ. राम विलास शर्मा ने तुलसी को भारत का श्रेष्ठ कवि क्यों माना है?

अध्याय–21 : संस्कारों और शास्त्रों की लड़ाई

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। अर्थशास्त्र संस्कारों के सीने पर चढकर गला दबा रहा है। इधर एक लड़के ने एक लड़की को उसकी इच्छा से भगाकर शादी कर ली। लड़का योग्य, सुन्दर और अच्छी नौकरी वाला । पहले लड़की की माँ के संस्कारों ने जोर मारा और उसने हाय तौबा मचाया। अर्थशास्त्र से यह बर्दाश्त नहीं हुआ। उसने संस्कारों को एक पटकनी दी। माँ ने सोचा, यह जो 15 हजार दहेज के लिये रखे थे, साफ बच गये। फिर 15 हजार में भी इतना अच्छा लड़का नहीं मिलता । उन्होंने कार्ड बांट कर दावत दे दी। 1– अर्थशास्त्र किसके सीने पर चढ़कर गला दबा रहा था? 2– माँ ने दहेज के लिए कितने रूपये रखे थे? 3– अर्थशास्त्र ने संस्कारों को पटकनी किस प्रकार दी?

	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–2	"मैं समझा, इसमें द्वन्दात्मक भौतिकवाद है।" द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद से क्या तात्पर्य है?
प्रश्न–3	"संस्कारों और शास्त्रों की लड़ाई" शीर्षक निबन्ध में व्यक्त लेखक के विचारों को संक्षेप में लिखिए।
प्रश्न–4	अर्थशास्त्र संस्कारों पर भारी पड़ता है। कैसे?
प्रश्न–5	"जिनकी हैसियत है,वे एक से ज्यादा बाप भी रख सकते है।"लेखक का आशय स्पष्ट कीजिए।
प्रश्न–6	मदर इन ला और सास में क्या फर्क है?

अध्याय–22 : भारत भी महाशक्ति बन सकता है।

प्रश्न–1	निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये। यदि हम अपने इतिहास पर दृष्टि डाले तो पता चलता है, हमारा देश वही हिन्दुस्तान है जो पहले "सोने की चिड़िया" कहा जाता था । हमारे सारे प्राचीन ग्रन्थों में सुख–शान्ति, अकूल वैभव व ऐश्वर्य का वर्णन मिलता है। यह हमारा वैभव ही तो था जो विदेशी आक्रमणकारियों को हिन्दुस्तान की ओर आकर्षित करता था। पहले पहल आए सारे आक्रमणकारियों का एक मात्र उद्देश्य हिन्दुस्तान का लूटना ही था। हर बार प्रत्येक आक्रमणकारी अपने साथ बेहिसाब सोना, चाँदी, हीरे–मोती लूटकर ले गया। यह सत्य है कि मुहम्मद गजनवी सोमनाथ मन्दिर को लूटकर उसकी बेहिसाब सम्पदा को ले गया। भारत की चमक से चकित होकर अंग्रेज भारत आए, यहाँ की अपार सम्पदा को इंग्लेण्ड ले गए। 1– "सोने की चिड़िया" किस देश को कहा जाता था? 2– आक्रमणकारी किस उद्दश्य से भारत आए थे ? 3– हमारे प्राचीन ग्रन्थों में किस बात का वर्णन मिलता है?
प्रश्न–2	निम्नलिखित पद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर दीजिए । हमारी जिस सम्पन्नता का वर्णन इतिहास में मिलता है वह कहीं से लूटकर तो नही लाए थे। सब कुछ अपने ही देश में उत्पन्न किया था । भूमि संसाधन वे आज भी हमारे पास है, जिनके बल पर हम फिर से उसी सम्पन्नता को अर्जित कर सकते है। केवल संसाधनों के उचित दोहन व अपनी आवश्यकता के अनुसार उपयोग करने की है। जैसे ही हम आवश्यक संतुलन बना लेंगे, हम अपना पूरा वैभव फिर से प्राप्त कर लेंगे। 1– भारत के पास ऐसी कौनसी सम्पदा है जो उसे विदेशो से अधिक सम्पन्न बना सकती है? 2– भारत अपनी पुरानी सम्पन्नता कैसे अर्जित कर सकता है? 3– आज भी हम जिस कारण अपनी सम्पन्नता अर्जित कर सकते है वह क्या है?
	लघूत्तरात्मक प्रश्न
प्रश्न–3	भारत की महाशक्ति और विश्वगुरू बनाने के लिये क्या करना चाहिए?
प्रश्न–4	भारत को "सोने की चिड़िया" क्यों कहा जाता था?
प्रश्न–5	परमाणु परिक्षण करने पर भारत पर लगाए गए वैश्विक प्रतिबन्धों का भारत पर क्या प्रभाव पड़ा?

प्रश्न–6	भारत की प्राचीन शिक्षा पद्वति को किसने व कैसे तहस नहस किया?
प्रश्न–7	भारत अब भी महाशक्ति बन सकता है। कैसे समझाइये ?
प्रश्न–8	हमारे प्राचीन ग्रन्थों में किस बात का वर्णन है?

मंदाकिनी

अध्याय–1 : हिन्दी गद्य का विकास

प्रश्न–1	"संस्मरण" किसे कहते है?
प्रश्न–2	"रेखाचित्र" विधा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
प्रश्न–3	"रेखाचित्र" और "संस्मरण" में क्या अन्तर है?

अध्याय–2 : राष्ट्र का स्वरूप

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न–1	संस्कृति का अमिट भण्डार भरा हुआ है– अ) लोकगीतों व लोक कथाओं में ब) प्राकृतिक सौन्दर्य में स) जन–मानस में द) धर्म व विज्ञान ( )
प्रश्न–2	पृथ्वी को वसुन्धरा क्यों कहते हैं?
प्रश्न–3	समग्र राष्ट्र जागरण और प्रगति का एक समान उदार भाव से संचालित होना क्यों आवश्यक है?
प्रश्न–4	विभिन्न संस्कृतियों के विभिन्नता में एकता को सिद्ध कीजिए।

अध्याय–3 : निर्वासित

प्रश्न–1	"निर्वासित" कहानी का कहानीकार है– अ) दीपबाला ब) वीरबाला स) सूर्यबाला द) राजबाला ( )
प्रश्न–2	माँ जी बच्चों को सुलाने के लिये कौन–कौनसी कहानी सुनाती थी?
प्रश्न–3	बड़े बेटे राजन के पास जाने को लेकर पड़ोसियों ने क्या कहा?

अध्याय–4 : हमारी पुण्य भूमि और उसका गौरवमय अतीत

प्रश्न–1	"हमारी पुण्य भूमि और उसका गौरवमय अतीत" किस महापुरूष के भाषण का अंश है– अ) स्वामी दयानन्द सरस्वती ब) स्वामी रामतीर्थ स) स्वामी अखण्डानन्द द) स्वामी विवेकानन्द ( )
प्रश्न–2	अपनी जिज्ञासाओं को शांत करने के प्रयास में आर्य जाति ने क्या–क्या प्रयास किये?
प्रश्न–3	पृथ्वी पर ऐसा देश जो मंगलमयी पुण्यभूमि का अधिकारी है, कौन है?

...

अध्याय–5 : डॉ. रामकुमार वर्मा से बातचीत

प्रश्न–1	डॉ. वर्मा की प्रथम कहानी थी– अ) परीक्षा ब) सुखद सम्मिलन स) पाजेब द) इनमें से कोई नहीं ( )
प्रश्न–2	डा. वर्मा के अनुसार कौन सा साहित्य वास्तव में साहित्य की संज्ञा से विभूषित होता है?
प्रश्न–3	हिन्दी रंग मंच के विकास में नाटककार के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अध्याय–6 : सुभाषचन्द्र बोस

प्रश्न–1	मातृभूमि की सेवा का मंत्र सुभाष बाबू को किससे मिला– अ) गाँधी ब) तिलक स) नहेरू द) विवेकानन्द
प्रश्न–2	सुभाषचन्द्र ने सैनिको के लिये कौन से तीन आदर्श बतायें–
प्रश्न–3	"एंग्लो इंडियन स्कूल का भारतीय बच्चों के प्रति क्या दृष्टिकोण थे?

अध्याय–7 : सुभद्रा

प्रश्न–1	उस युग में कविता रचना माना जाता था– अ) अपराध ब) साहस स) श्रेष्ठ द) शान्ति ( )
प्रश्न–2	"सुभद्राजी की हसी संक्रामक भी कम न थी " से क्या तात्पर्य है?
प्रश्न–3	सुभद्रा जी के काव्य का प्राण क्या था?

अध्याय–8 : भारत के महान वैज्ञानिक–सर जगदीश चन्द्र बोस

प्रश्न–1	जगदीश चन्द्र बोस वैज्ञानिक थे– अ) परमाणु विज्ञान के ब) जीव विज्ञान के स) भूगर्भ शास्त्र के द) वनस्पतिशास्त्र के ( )
प्रश्न–2	वनस्पति जगत के जीवन की अविभाज्य एकता तथा गति दर्शानेवाले यंत्र का नाम लिखिए–
प्रश्न–3	जगदीश चन्द्र बोस के आविष्कारों एवं प्रयोगों का क्या परिणाम हुआ?

अध्याय–9 : भोर का तारा

प्रश्न–1	गुप्त साम्राज्य में कौनसा संकट उपस्थित हुआ? अ) अकाल का ब) बाढ़ का स) तोरमाण के आक्रमण का द) गृहयुद्व का ( )
प्रश्न–2	"देश तुमसे यह बलिदान माँगता है" का आशय स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न–3	"प्रत्येक पुरूष के लिये स्त्री एक कविता है।" छाया अपने इस कथन को कैसे स्पष्ट करती है?

अध्याय–10 : गेहूँ बनाम गुलाब

प्रश्न–1	गेहूँ और गुलाब के बीच–आवश्यक है– अ) विरोध ब) सन्तुलन स) शान्ति द) होड़ ( )
प्रश्न–2	"अब गुलाब गेहूँ पर विजय प्राप्त करे" से क्या तात्पर्य है?
प्रश्न–3	भूख शांत करने के लिये उसने क्या–क्या किया?
प्रश्न–4	गेहूँ पर गुलाब की प्रसुता किस प्रकार सम्भव है? पाठ के आधार पर लिखिए।

अध्याय–11 : यात्रा : एक पावन तीर्थ की

प्रश्न–1	सेल्यूसर जेल में किस स्वतंत्रता सेनानी ने यातनाएँ सही– अ) वीर सावरकर ब) भगत सिंह स) महात्मागॉधी द) गोपाल कृष्ण गोखले ( )
प्रश्न–2	किस द्वीप का चित्र भारत सरकार के बीस रूपये के नोट पर अंकित किया गया?
प्रश्न–3	जेल में स्वाधीनता सेनानियों को क्या कार्य करने पड़ते थे? कार्य पूरा न होने पर उन्हें क्या दण्ड दिया जाता था?
प्रश्न–4	वीर सांवरकर को अपनी कैद में बनाए रखने के लिये ब्रिटिश सरकार ने सेल्यूकस जेल में क्या प्रबन्ध किए थे ? लेखक ने कोटड़ी में क्या किया ?

श्रीमती मंजू परिहार, शिक्षिका

उमेश चन्द्र भाण्ड, सहायक शिक्षक